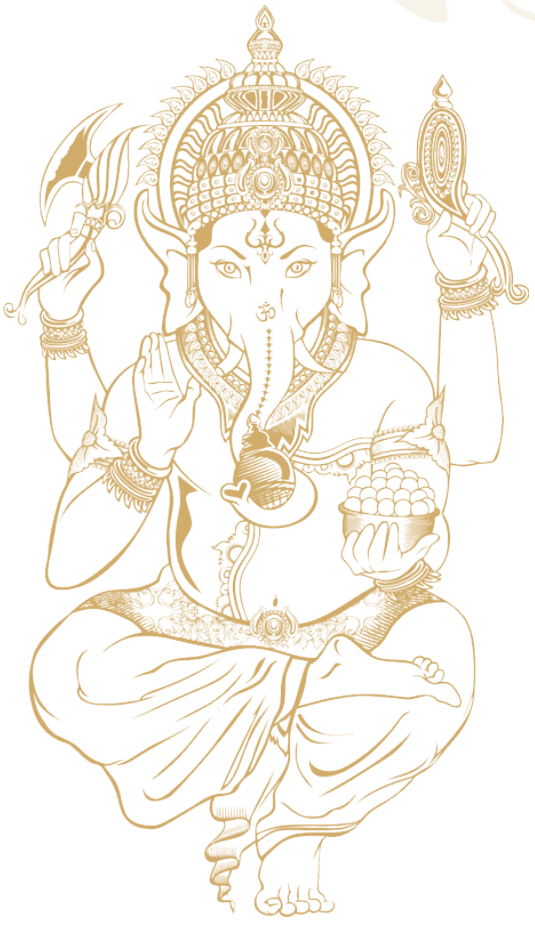

Ankush Nidhi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121167102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/03/1998	जन्म तिथि	04/04/2001
बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 08:30:00	जन्म समय	08:59:00 घंटे
घटी 04:08:48	जन्म समय(घटी)	06:56:46 घटी
India	देश	India
Ludhiana	स्थान	Moga
30:56:00 उत्तर	अक्षांश	30:49:00 उत्तर
75:52:00 पूर्व	रेखांश	75:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:32	स्थानिक संस्कार	-00:29:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:50:28	सूर्योदय	06:14:57
18:26:38	सूर्यास्त	18:49:52
23:49:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:11

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 2वर्ष 10मा 0दि	24:27:23	मीन	लग्न	वृष	11:24:22	बुध 4वर्ष 9मा 12दि
राहु	19:30:06	कुंभ	सूर्य	मीन	20:33:32	शुक्र
03/01/2018	03:41:52	वृष	चंद्र	कर्क	26:14:52	15/01/2013
03/01/2036	05:44:25	मीन	मंगल	वृश्चि	27:55:10	15/01/2033
राहु 15/09/2020	28:10:32	कुंभ	बुध	मीन	02:25:57	शुक्र 17/05/2016
गुरु 09/02/2023	12:48:36	कुंभ	गुरु	वृष	14:18:13	सूर्य 17/05/2017
शनि 16/12/2025	05:45:43	मक	शुक्र व	मीन	12:37:04	चन्द्र 16/01/2019
बुध 04/07/2028	24:36:25	मीन	शनि	वृष	04:14:28	मंगल 17/03/2020
केतु 23/07/2029	16:42:05	सिंह व	राहु व	मिथु	16:47:17	राहु 17/03/2023
शुक्र 22/07/2032	16:42:05	कुंभ व	केतु व	धनु	16:47:17	गुरु 15/11/2025
सूर्य 16/06/2033	16:47:56	मक	हर्ष	मक	29:45:24	शनि 15/01/2029
चन्द्र 16/12/2034	07:20:51	मक	नेप	मक	14:32:22	बुध 16/11/2031
मंगल 03/01/2036	14:13:07	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	21:19:43	केतु 15/01/2033

लग्न-चलित

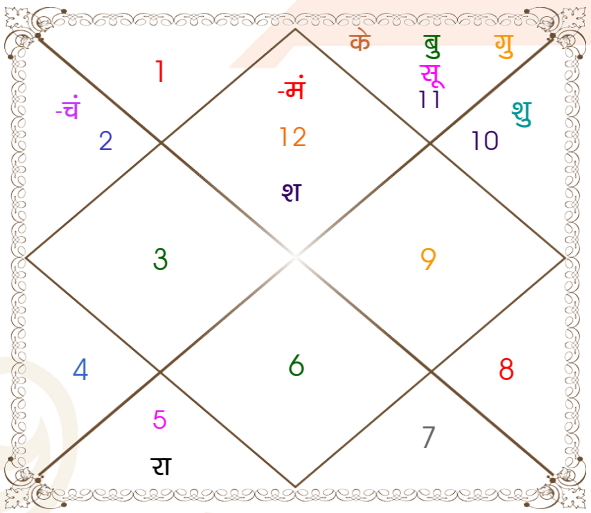

लग्न-चलित

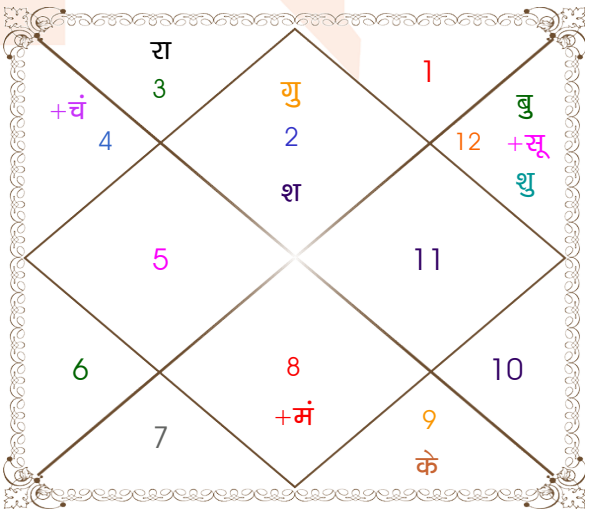

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	मार्जार	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

।दानी का वर्ग गरूड़ है तथा Nidhi का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।दानी और Nidhi का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

।दानी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Nidhi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Nidhi कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Nidhi कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Nidhi कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु दानी कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

दानी तथा Nidhi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।